

## झारखंड की शपिरा मशिरा राष्ट्रीय शक्तिषक पुरस्कार के लयि चयनति

### चर्चा में क्यो?

25 अगस्त, 2022 को भारत सरकार के शक्तिषा मंत्रालय ने राष्ट्रीय शक्तिषक पुरस्कार 2022 के लयि चयनति देश के वभिनिन राज्यों के 46 शक्तिषकों के नाम की अंतमि सूची जारी की। इसमें झारखंड की शपिरा मशिरा का नाम भी शामिल है।

### प्रमुख बदि

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुरमु चयनति शक्तिषक-शक्तिषिकाओं को नई दलिली के वजिज्ञान भवन में 5 सतिबर, 2022 को शक्तिषक दविस के अवसर पर वर्ष 2022 के राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करेंगी। पुरस्कार के तौर पर शक्तिषक-शक्तिषिकाओं को 50 हजार रुपए की राशि और सलिवर मेडल दया जाएगा।
- पूरवी सहिभूम जल्लि के जमशेदपुर स्थति टाटा वर्कर्स यूनयिन प्लस टू हाईस्कूल, कदमा की वजिज्ञान शक्तिषिका शपिरा मशिरा झारखंड से एकमात्र शक्तिषक है, जनिके नाम पर पुरस्कार के लयि शक्तिषा मंत्रालय ने अंतमि मुहर लगाई। हालाँकि राज्य से कुल तीन शक्तिषकों के नाम इस पुरस्कार के लयि भेजे गए थे।
- शपिरा मशिरा मूल रूप से बहिर के पूरणया जल्लि से है। उनहोंने स्कूल को राष्ट्रीय स्तर की पहचान दलाने में शक्तिषिका का अहम योगदान है। वे स्कूल में छात्रों को वजिज्ञान के प्रता रूचा बढाने में लगातार अपने स्तर से कार्य करती रही हैं।
- शपिरा की एक छात्रा नेहा सरदार का स्मार्ट वल्लिज के मॉडल ने वजिज्ञान प्रदर्शनी में राज्य स्तर पर पुरस्कार जीता था। हाल ही में आईएसएम, धनबाद में आयोजति प्रतयोगति में सरकारी स्कूलों की श्रेणी में टाटा वर्कर्स यूनयिन हाई स्कूल के छात्रों द्वारा बनाए गए ऑटोमेटकि क्लीन टॉयलेट (**Automatic Clean Toilet**) के प्रोजेक्ट को ओवरऑल श्रेणी के पुरस्कार के लयि चयनति कया गया था।
- शपिरा मशिरा को अब तक कई अवार्ड मलि चुके हैं। रोटरी क्लब की ओर से वर्ष 2017 में उनहें सर्वश्रेष्ठ शक्तिषिका का सम्मान, इनर वहील क्लब की ओर से सर्वश्रेष्ठ शक्तिषिका का सम्मान, वर्ष 2019 में राज्य स्तर का शक्तिषक पुरस्कार तथा 2020 में एनएमएल द्वारा बेस्ट साइंस टीचर्स अवार्ड मलि चुका है।
- गौरतलब है कि शक्तिषक दविस के अवसर पर शक्तिषा मंत्रालय का स्कूली शक्तिषा और साक्षरता वभिग प्रतविरष 5 सतिबर को एक राष्ट्रीय समारोह का आयोजन करता है, जसिमें देश के सर्वश्रेष्ठ शक्तिषकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान कयि जाते हैं।
- पुरस्कारों के लयि शक्तिषकों का चयन ऑनलाइन तीन स्तरीय चयन प्रक्रया के जरए पारदर्शी तरीके से कया जाता है।
- शक्तिषकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने का उद्देश्य देश के शक्तिषकों के अनूठे योगदान को रेखांकति करना और ऐसे शक्तिषकों का सम्मान करना है, जनिहोंने अपनी प्रतबिद्धता व परशिरम से न सरिफ स्कूली शक्तिषा की गुणवत्ता में सुधार कया है बल्कि अपने छात्रों के जीवन को भी समृद्ध कया है।